

🎬 रचनात्मक लेखन

Class 12 Hindi 2027 | Rachnatmak Lekhan | आसान व्याख्या

भाग 1: शुरुआत – रचनात्मक लेखन क्या है?

नमस्कार बच्चों!

स्वागत है आपका आपके अपने YouTube चैनल **Principal Sir** पर।

आज हम Class 12 Hindi 2027 की तैयारी के लिए एक बहुत महत्त्वपूर्ण विषय पढ़ने जा रहे हैं—रचनात्मक लेखन अर्थात **Rachnatmak Lekhan**।

बच्चों, बोर्ड परीक्षा में कई बार विद्यार्थियों को एक विषय दिया जाता है और लगभग 120 शब्दों में उस विषय पर अपने विचार लिखने के लिए कहा जाता है।



अब समस्या यह होती है कि विद्यार्थी विषय तो पढ़ लेते हैं, लेकिन उन्हें समझ नहीं आता कि शुरुआत कैसे करें, क्या लिखें, विचारों को किस क्रम में रखें और अंत कैसे करें।

कुछ विद्यार्थी पूरा लेख याद करके जाते हैं। लेकिन यदि परीक्षा में थोड़ा अलग विषय आ जाए, तो वे परेशान हो जाते हैं।

इसलिए आज की कक्षा में मैं आपको लेख याद करने की बजाय लेख लिखने की तकनीक सिखाऊँगा।

आज आप सीखेंगे कि किसी भी विषय को समझकर, अपने विचारों को व्यवस्थित करके, सरल भाषा में एक अच्छा रचनात्मक लेख कैसे लिखा जाता है।

चलिए, सबसे पहले समझते हैं कि रचनात्मक लेखन आखिर होता क्या है?

भाग 2: रचनात्मक लेखन का अर्थ

बच्चों, रचनात्मक लेखन का अर्थ है—किसी विषय, अनुभव, घटना, समस्या, विचार या परिस्थिति के बारे में अपनी सोच, कल्पना, अनुभव और समझ को व्यवस्थित एवं प्रभावशाली भाषा में प्रस्तुत करना।

रचनात्मक लेखन में हम केवल जानकारी नहीं देते, बल्कि अपने विचारों को एक प्रभावशाली तरीके से व्यक्त करते हैं।

उदाहरण के लिए, यदि आपको विषय दिया जाए—

- जंक फूड का बढ़ता चलन।
- महानगरों का बढ़ता आकर्षण।
- बाजारों का बदलता स्वरूप।
- मोबाइल फोन का प्रभाव।
- पर्यावरण संरक्षण।
- विद्यार्थी जीवन में अनुशासन।

तो आपको इन विषयों पर केवल कुछ तथ्य नहीं लिखने हैं। आपको विषय को समझना है, उसके बारे में विचार करना है, समस्याओं या विशेषताओं को बताना है और अंत में अपने विचारों को उचित निष्कर्ष तक पहुँचाना है।

यही रचनात्मक लेखन है।



रचनात्मक लेखन में तीन बातें बहुत महत्त्वपूर्ण हैं:

पहली—विषय की समझ।

दूसरी—विचारों की क्रमबद्धता।

तीसरी—सरल, स्पष्ट और प्रभावशाली भाषा।

यदि ये तीन बातें आपके लेख में हैं, तो आप अच्छा लेख लिख सकते हैं।

भाग 3: लगभग 120 शब्दों में लेख कैसे लिखें?

अब सबसे महत्त्वपूर्ण प्रश्न है—यदि बोर्ड परीक्षा में लगभग 120 शब्दों में लेख लिखने के लिए कहा जाए, तो हम अपने शब्दों को कैसे व्यवस्थित करें?

मैं आपको एक बहुत आसान Formula बताता हूँ।

हमारा **Formula** है:

भूमिका → मुख्य विचार → समस्या या विशेषता → समाधान या सुझाव → निष्कर्ष

इसे पाँच चरणों में समझिए।

Step 1 – शीर्षक

सबसे पहले विषय के अनुसार एक छोटा और आकर्षक शीर्षक लिखें।

जैसे विषय है—जंक फूड का बढ़ता चलन।

तो शीर्षक होगा:

जंक फूड का बढ़ता चलन

शीर्षक स्पष्ट होना चाहिए और विषय से संबंधित होना चाहिए।

Step 2 – भूमिका

भूमिका में विषय का परिचय दें। लगभग दो या तीन वाक्य पर्याप्त होते हैं।

उदाहरण:

आज के आधुनिक युग में जंक फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। पिज्जा, बर्गर, चाउमीन और नूडल्स बच्चों तथा युवाओं की पसंद बनते जा रहे हैं।

देखिए, हमने विषय का परिचय दे दिया।

Step 3 – मुख्य भाग

अब विषय के बारे में विस्तार से लिखें।

इसमें कारण, प्रभाव, विशेषताएँ, लाभ, हानि या समस्याएँ लिख सकते हैं। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि विषय क्या है।

Step 4 – सुझाव

यदि विषय किसी समस्या से संबंधित है, तो उसके समाधान भी लिखें।

जैसे जंक फूड के विषय में हम स्वस्थ भोजन, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के सुझाव दे सकते हैं।

Step 5 – निष्कर्ष

अंत में दो या तीन वाक्यों में लेख को समाप्त करें।

निष्कर्ष सकारात्मक, स्पष्ट और विषय के अनुरूप होना चाहिए।

इस प्रकार आपका लेख व्यवस्थित हो जाएगा।

भाग 4: लेख के तीन मुख्य भाग

बच्चों, अब इसे और आसान तरीके से समझते हैं।

आप अपने लेख को तीन मुख्य भागों में लिख सकते हैं।

1. भूमिका **– Introduction**

यह लेख का पहला भाग है।

इसमें विषय का परिचय दिया जाता है।

आप इन तरीकों से शुरुआत कर सकते हैं:

- आज के आधुनिक युग में...
- वर्तमान समय में...
- आज समाज में...
- शिक्षा हमारे जीवन का...
- पर्यावरण संरक्षण आज...
- तकनीकी विकास के कारण...

लेकिन ध्यान रखिए, हर लेख की शुरुआत एक ही वाक्य से मत कीजिए। विषय के अनुसार शुरुआत बदलनी चाहिए।

2. मुख्य भाग **– Body**

यह लेख का सबसे महत्त्वपूर्ण भाग है।

इसमें आप विषय के बारे में विस्तार से लिखते हैं।

उदाहरण के लिए:

यदि विषय है मोबाइल फोन का प्रभाव, तो मुख्य भाग में आप लिख सकते हैं:

- मोबाइल फोन के उपयोग।
- शिक्षा में मोबाइल की भूमिका।
- संचार में मोबाइल का महत्त्व।
- मोबाइल के दुष्प्रभाव।
- अत्यधिक उपयोग से होने वाली समस्याएँ।

यदि विषय है पर्यावरण संरक्षण, तो आप लिख सकते हैं:

- प्रदूषण की समस्या।
- पेड़ों का महत्त्व।
- जल संरक्षण।
- प्लास्टिक का उपयोग।
- पर्यावरण संरक्षण के उपाय।

याद रखिए, मुख्य भाग में विचारों को क्रमबद्ध लिखना है। एक विचार से दूसरे विचार तक स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ना चाहिए।

3. निष्कर्ष **– Conclusion**

निष्कर्ष में पूरे लेख का सार प्रस्तुत किया जाता है।

यहाँ आप सुझाव, संदेश या सकारात्मक विचार लिख सकते हैं।

उदाहरण:

अतः हमें संतुलित जीवनशैली अपनाकर अपने स्वास्थ्य की रक्षा करनी चाहिए।

या:

इसलिए पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

या:

नियमित प्रयास, अनुशासन और जागरूकता से हम इस समस्या का समाधान कर सकते हैं।

भाग **5:** विषय को समझने की तकनीक

अब बच्चों, मान लीजिए परीक्षा में आपको एक ऐसा विषय दिया गया है जिसके बारे में आपने पहले कोई लेख याद नहीं किया है।

आप क्या करेंगे?

घबराना नहीं है।

मैं आपको एक आसान तकनीक बताता हूँ।

विषय को पढ़िए और अपने मन में चार प्रश्न पूछिए:

प्रश्न **1 –** यह विषय किस बारे में है**?**

सबसे पहले विषय की पहचान करें।

प्रश्न **2 –** इस विषय की मुख्य विशेषताएँ या समस्याएँ क्या हैं**?**

विषय के बारे में दो या तीन मुख्य विचार सोचें।

प्रश्न **3 –** इसका प्रभाव क्या है**?**

यह विषय व्यक्ति, समाज, देश या पर्यावरण को किस प्रकार प्रभावित करता है?

प्रश्न **4 –** मैं क्या सुझाव दे सकता हूँ**?**

अपने लेख को सकारात्मक सुझावों और निष्कर्ष के साथ समाप्त करें।

उदाहरण के लिए, विषय है:

मोबाइल फोन का बढ़ता उपयोग।

अब हम सोचेंगे:

- मोबाइल फोन क्यों उपयोग किया जाता है?
- इससे हमें क्या लाभ मिलते हैं?
- इसके अत्यधिक उपयोग से क्या समस्याएँ हो सकती हैं?
- हमें मोबाइल का उपयोग किस प्रकार करना चाहिए?

देखिए, केवल चार प्रश्नों के माध्यम से हमारे लेख के विचार तैयार हो गए।

इसलिए बच्चों, लेख लिखने से पहले दो मिनट सोचने में लगाइए। तुरंत लिखना शुरू मत कीजिए।

पहले विचार तैयार कीजिए, फिर लिखिए।

भाग 6: उदाहरण के साथ रचनात्मक लेख

अब हम एक वास्तविक उदाहरण लेते हैं।

विषय**:** जंक फूड का बढ़ता चलन

बच्चों, मैं इस विषय पर एक आदर्श लेख लिखकर समझाऊँगा।

आप इसे स्क्रीन पर भी देख सकते हैं और अपनी कॉपी में लिख सकते हैं।

जंक फूड का बढ़ता चलन

आज के आधुनिक युग में जंक फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। पिज्जा, बर्गर, चाउमीन, नूडल्स और चिप्स बच्चों तथा युवाओं की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। विज्ञापनों, बदलती जीवनशैली और समय की कमी ने इसे लोकप्रिय बना दिया है।

जंक फूड स्वादिष्ट तो होता है, लेकिन इसमें पौष्टिक तत्त्वों की कमी तथा वसा, नमक और चीनी की अधिकता होती है। इसके नियमित सेवन से मोटापा और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं।

हमें घर का बना ताजा और संतुलित भोजन करना चाहिए। फल, हरी सब्जियाँ, दालें और दूध स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं। स्वाद के लिए स्वास्थ्य से समझौता करना उचित नहीं है।

स्वस्थ भोजन ही स्वस्थ जीवन का आधार है।

अब इस लेख को समझिए।

शीर्षक: जंक फूड का बढ़ता चलन।

भूमिका: पहले दो वाक्यों में जंक फूड का परिचय दिया गया है।

मुख्य भाग: जंक फूड के चलन और उसके स्वास्थ्य पर प्रभाव की चर्चा की गई है।

सुझाव: संतुलित और घर का बना भोजन खाने की सलाह दी गई है।

निष्कर्ष: स्वस्थ भोजन ही स्वस्थ जीवन का आधार है।

बच्चों, आपने देखा कि लेख लिखने के लिए बहुत कठिन शब्दों की आवश्यकता नहीं है।

सरल भाषा में भी एक प्रभावशाली लेख लिखा जा सकता है।

भाग 7: Full Marks Strategy – परीक्षा में क्या करें?

अब मैं आपको कुछ ऐसी बातें बताता हूँ जिनका ध्यान आपको बोर्ड परीक्षा में अवश्य रखना चाहिए।

पहली बात – विषय को ध्यान से पढ़ें।

प्रश्न में जो विषय दिया गया है, उसी पर लिखें। विषय से बाहर जाने पर अंक कट सकते हैं।

दूसरी बात – शीर्षक अवश्य लिखें।

शीर्षक स्पष्ट और विषयानुकूल होना चाहिए।

तीसरी बात – लेख को व्यवस्थित रखें।

भूमिका, मुख्य भाग और निष्कर्ष अलग-अलग अनुच्छेदों में लिखें।

चौथी बात – सरल भाषा का प्रयोग करें।

कठिन शब्द लिखने के चक्कर में वाक्य गलत न करें। सरल और शुद्ध भाषा अधिक प्रभावशाली होती है।

पाँचवीं बात – शब्द-सीमा का ध्यान रखें।

यदि प्रश्न में लगभग 120 शब्द लिखने के लिए कहा गया है, तो उसी के आसपास लिखने का प्रयास करें। बहुत कम लिखने या अनावश्यक रूप से बहुत अधिक लिखने से बचें।

छठी बात – विचारों को दोहराएँ नहीं।

एक ही बात को अलग-अलग वाक्यों में बार-बार लिखने से लेख कमजोर हो जाता है।

सातवीं बात – निष्कर्ष अवश्य लिखें।

अंतिम भाग में लेख को उचित संदेश या विचार के साथ समाप्त करें।

आठवीं बात – समय का ध्यान रखें।

लेख लिखने में इतना समय न लगाएँ कि अन्य प्रश्न छूट जाएँ।

और सबसे महत्त्वपूर्ण बात—केवल लेख याद मत कीजिए। लेख लिखने की तकनीक सीखिए।